Total No. of Questions - 3] [Total Pages : 4

(2022)

9250

M.A. Examination

HINDI

(मध्यकालीन काव्य)

Paper–I

(Semester–I)

Time : Three Hours] [Max. Marks : Reg. : 80 / Pvt. : 100

परीक्षार्थी अपने उत्तरों को दी गयी उत्तर-पुस्तिका (40 पृष्ठ) तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त पृष्ठ जारी नहीं किया जाएगा।

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। निर्देशानुसार उत्तर दीजिए:

1. निम्नलिखित अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) हम न मर मरि हैं संसारा, हँम कूँ मिल्या जियावनहारा ।।टेक।।

अब न मरौं मरनै मन माँना तेई मूए जिनि राम न जांना।

साकत मरै संत जन जीवै, भरि भरि रास रसाइन पीवै।।

हरि मरिहै तो हम हूँ मरि है, हरि न मरै हंम काहे कुँ मरिहैं।

कहै कबीर मन मनहि मिलावा, अमर भये सुख सागर पावा।।

अथवा

चलन-चलन सब को कहत है, नाँ जाँनौं बैकुंठ कहाँ है ।।टेक।।

जोजन एक प्रमिति नहिं जानै, बातन हीं बैकुंठ बषानैं।

जब लग हैं बैकुंठ की आसा, तब लग नाहीं हरि चरन निवासा।।

कहै सुनें कैसें पनिअइये, जब लग तहाँ आय नहिं जइये।

कहै कबीर बहु कहिये काहि, साध संगति वैकुंठहि आहि।।

(ख) हमसों कहत कौन की बातें?

सुनि ऊधो! हम समुझत नाहीं फिरि पूछति हैं तातें।।

की नृप भयो कंस किन मार्‌यो को बसुद्यो-सुत आहि?

यहाँ हमारे परम मनोहर जीजतु हैं मुख चाहि।।

दिनप्रति जात सहज गोचारन गोप रखा लै संग।

बासरगत रजनीमुख आवर करत नयन गति पंग।।

को व्यापक पूरन अबिनासी, को बिधि-बेद-अपार?

सूर बृथा बकवाद करत हौ या ब्रज नंदकुमार।।

अथवा

जोग ठगौरी ब्रज न बिकैहै।

यह ब्योपार तिहारो ऊधो! ऐसोई फिरि जैहै।।

जापै लै आए हौ मधुकर ताके उर न समै है।

दाख छाँड़ि कै कटुक निंबौरी को अपने मुख खैहै?

मूरि के पातन के केना को मुक्ताहल दैहै।

सूरदास प्रभु गुनहि छाँड़ि कै को निर्गुन निरबैहे?

(ग) राम बिलोके लोग सब चित्र लिखे से देखि।

चितई सीय कृपायतन जानि बिकल बिसेषि।।

अथवा

ग्रह भेषज जल पवन पट पाइ कुजोग सुजोग।

होहिं कुबस्तु सुबस्तु जग लखहिं सलच्छन लोग।।

3×8=24(3×10=30)

2. निम्नलिखित आलोचनात्मक प्रश्नों के उत्तर विस्तार में दीजिए :

(क) समाज-परिष्कार में कबीरदास के योगदान को सोदाहरण रेखांकित कीजिए।

अथवा

कबीरदास की भक्ति भावना की विवेचना उदाहरण सहित कीजिए।

(ख) 'भ्रमरगीत' के आधार पर गोपियों के वाक् चातुर्य पर सोदाहरण प्रकाश डालिए।

अथवा

सूरदास के भाषा-प्रयोग की सूक्ष्मता एवं सटीकता का विश्लेषण सोदाहरण कीजिए।

(ग) 'रामचरितमानस' के बालकाण्ड के आधार पर राम के शील एवं सौन्दर्य की विवेचना उदाहरण के साथ कीजिए।

अथवा

तुलसी की सांस्कृतिक चेतना पर सोदाहरण प्रकाश डालिए।

3×17=51

(3×20=60)

3. निम्नलिखित अति लघु प्रश्नों के उत्तर अति संक्षेप में दीजिए :

(क) कबीर के अनुसार परमात्मा का निवास कहाँ होता है?

(ख) भक्त भक्ति-पथ से परे कब हो जाता है?

(ग) कबीर ने गर्व न करने का परामर्श क्यों दिया है?

(घ) तुलसी के अनुसार संगति क्या करती है?

(ङ) उद्धव गोपियों से क्यों पराजित हो गए? 5×1=5

(5×2=10)